# PACS

## Poorest Areas Civil Society Programme

## 8th Peer Learning Workshop-Bihar

10th-11th April 2007

**newspaper clippings – part 2**

# PACS — 8th PLW

## Bihar

राष्ट्रीय सहारा
www.rashtriyasahara.com

# जरूरतमंदों को मिले योजनाओं का लाभ : मंत्री

## स्वयंसेवी संस्थाओं की दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

सहारा न्यूज ब्यूरो
पटना, 10 अप्रैल।

ग्रामीण विकास मंत्री बैद्यनाथ महतो ने रोजगार गारंटी योजना के तहत जॉब कार्ड बनाने की प्रक्रिया में आ रही दिक्कतों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को मिलना चाहिए। श्री महतो स्थानीय एक होटल में आज स्वयंसेवी संस्थाओं की दो दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला का उद्घाटन कर रहे थे। कार्यशाला में सौ से अधिक स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

कार्यशाला का आयोजन पैक्स कार्यक्रम डेवलपमेंट ऑल्टरनेटिव्स द्वारा किया गया है। कार्यशाला में यह बात उभर कर आई कि ग्रामीण विकास सिर्फ बिहार ही नहीं बल्कि पूरे देश की गंभीर समस्या बन गई है। ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और उसके लाभ सही लोगों तक पहुंचे यह प्राथमिकता के स्तर पर तय किए जाने की आवश्यकता है। सरकार का उद्देश्य है कि विकास की रोशनी सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचे। ग्रामीण विकास विभाग के सचिव अनुप मुखर्जी ने कहा कि गरीबी तथा समुचित साधनों के अभाव के बीच विकास की बात बेमानी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि योजनाएं तो बनती हैं, जो महज कागजी बन कर रह जाती हैं।

इस संदर्भ में लोगों में जागरूकता की कमी के मद्देनजर श्री मुखर्जी ने कहा कि यही कारण है कि कार्यान्वियन एजेंसियां सही तौर पर काम नहीं करतीं। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की चर्चा भी की। कम्युनिकेशन व एडवोकेसी विषय पर अजीत साईं तथा समीर प्रसाद ने अपने विचार रखे। बिहार शिक्षा परियोजना के प्रतिनिधि ने राज्य में प्राथमिक शिक्षा की स्थिति पर प्रकाश डाला। पैक्स की निदेशक किरण शर्मा ने बताया कि बिहार में एक सौ चार एनजीओ की सहायता से बाईस जिलों में तीन हजार पिछड़े गांवों में यह कार्यरत है। इसका कार्यक्षेत्र कोसी-बागमती बेल्ट से लेकर सूखा ग्रस्त क्षेत्र गया-नवादा तक है। इन क्षेत्रों में पैक्स स्वयंसेवी सहायता समूह की महिलाओं को साक्षर करने के लिए कंप्यूटर के माध्यम से प्रशिक्षण दे रही है। इस अवसर पर राकेश झा, प्रकाश, प्रभात पाठक, लीला देवी और सिस्टर एलिस भी मौजूद थीं।

कार्यशाला का उद्घाटन करते ग्रामीण विकास मंत्री बैद्यनाथ महतो व अन्य। एसएनबी

# PACS — 8th PLW

## Bihar

हिन्दुस्तान

पटना

हिन्दुस्तान पटना, बुधवार, 11 अप्रैल, 2007

6

# गांवों की समृद्धि के बिना राज्य का विकास असंभव: महतो

पटना ( हि.प्र. )। जब तक गांव सबल और समृद्ध नहीं होंगे, तब तक राज्य व देश का विकास संभव नहीं है। गांवों की संपदा और संस्कृति को वापस लाए बिना विकास संभव नहीं है। ये बातें ग्रामीण विकास मंत्री बैद्यनाथ महतो ने कहीं। वे मंगलवार को पुअरेस्ट एरियाज सिविल सोसायटी (पैक्स) कार्यक्रम के तहत आयोजित पीयर लर्निंग वर्कशाप के उद्घाटन के बाद वहां मौजूद 100 से ज्यादा स्वयंसेवी संस्थाओं के

**पीयर लर्निंग वर्कशाप के उद्घाटन में मंत्री ने कहा**

प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला का आयोजन कंचन सेवा आश्रम, मुजफ्फपुर द्वारा किया था। उन्होंने बैंकों से स्वयं सहायता समूहों को कर्ज देने में उदारता बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार ने सदियों से पिछली पंक्ति में खड़ी महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए 50 फीसदी आरक्षण दिया है, जो महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने बताया कि रोजगार गारंटी योजना में गड़बड़ियों की शिकायतों की जांच के लिए हर प्रखंड में शिकायत कोषांग का गठन किया गया है। साथ ही मुसहरों के लिए घर, शौचालय और उनके टोलों को जोड़ने के लिए सड़कों के निर्माण का प्रस्ताव केन्द्र को भेजा गया है। इस मौके पर ग्रामीण विकास विभाग के सचिव अनूप मुखर्जी ने कहा कि बिहार की सबसे बड़ी समस्या गरीबी है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम और योजनाएं कागजों पर बन जाती हैं तथा उसी पर उनका

**सौ से ज्यादा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया**

निष्पादन कर दिया जाता है। इस मौके पर पैक्स के अध्यक्ष ए के बसु, निदेशक किरण शर्मा ने भी अपने विचार रखे। दिनभर चली कार्यशाला को राज्य सूचना आयोग के सचिव एस के मिश्र, अजीत साई, समीर प्रसाद, राकेश झा आदि ने भी संबोधित किया। इस मौके पर विधानसभा सदस्य प्रेम रंजन पटेल, अमरेन्द्र कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

## जमीन पर आते-आते दम तोड़ा रोजगार गारंटी योजना ने

पटना ( हि.प्र. )। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना शुरू हुए एक साल बीत गया। गांवों से पलायन रोकने के उद्देश्य से शुरू हुई इस महत्वकांक्षी योजना ने जमीन पर आते-आते ही दम तोड़ दिया। सरकार लाख दावा करे, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। ऐसा कहना है लीला कुमारी और सिस्टर मेरी एलिस का। ये दोनों मंगलवार को पुअरेस्ट एरियाज सिविल सोसायटी (पैक्स) कार्यक्रम के तहत आयोजित पीयर लर्निंग वर्कशाप के दौरान अपनी संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यक्रमों का ब्योरा दे रही थीं। लीला की संस्था 'महिला विकास समिति' नवादा के रजौली प्रखंड की चार पंचायतों के 20 गांवों में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि इस दौरान मात्र 460 लोगों को जॉबकार्ड दिया गया, जबकि काम पाने वालों की संख्या 25 फीसदी से भी कम है। इसमें भी मात्र एक फीसदी महिलाएं हैं। लीला कुमारी ने बताया कि उनके सर्वेक्षण के अनुसार 20 गांवों में 880 लोग ऐसे हैं, जिन्हें काम की आवश्यकता है। जिनका कार्ड बन गया है और जिन्हें काम मिला है उनका कार्ड पंचायत सचिव और ठेकेदारों के कब्जे में है, जो बिना काम दिए उनके नाम पर पैसा इउठा रहे हैं। दूसरी ओर 'फकिराना सिस्टर्स' की सिस्टर मेरी एलिस और अनिल लुकस ने बताया कि सरकारी तंत्र न तो इस योजना की गंभीरता समझ रहा है और न समझने की कोशिश कर रहा है। उनकी संस्था पश्चिमी चंपारण के छह प्रखंडों की 18 पंचायतों में काम कर रही है। सरकारी कर्मचारियों के पास मिट्टी कटायी और मिट्टी भरायी को छोड़कर अन्य कोई योजना ही नहीं है। उन्होंने बताया कि संस्था के प्रयास से अभी तक 4800 लोगों को जॉबकार्ड मिला है। उन्होंने बताया कि इसमें से मात्र 471 लोगों को काम मिला है। अभी भी 95 फीसदी लोग ऐसे हैं जिन्हें न तो जॉबकार्ड मिला है और न ही काम।

# PACS — 8th PLW

## Bihar

आज

पटना, गुरुवार, १२ अप्रैल, २००७ (५)

# स्थानीय स्वशासन की मजबूती से होगा पंचायतों का विकास

## पैक्स की दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

(आज समाचार सेवा)

पटना। स्वंयसेवी संस्थाओं को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय पियर लर्निंग कार्यशाला आज संपन्न हो गयी। इस कार्यशाला का आयोजन पुअरेस्ट एरियाज सिविल सोसायटी (पैक्स) ने किया था जिसमें समाज के गरीब-पिछड़े लोगों के आजीविका, उसके क्षमता विकास, महिला सशक्तीकरण, ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना आदि कार्यक्रमों पर सघन रूप से चर्चा की गयी। दूसरे दिन कार्यक्रम का आगाज विशेषज्ञ अशोक कुमार सिन्हा ने किया। प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुये उन्होंने मुख्यतः पंचायतों के सशक्तीकरण के लिए स्थानीय स्वशासन को मजबूत बनाने की आवश्यकता जतायी। श्री सिन्हा ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर नीति बनाकर, ग्रामीणों के लिए आजीविका का साधन विकसित कर एवं उनके लिए बैंक व बीमे की व्यवस्था कर हीं विकास कार्यक्रम को बढ़ाया जा सकता है। प्रतिनिधियों ने भी अपने संबोधन में इन्हीं सब मुद्दों पर पुरजोर चर्चा की। खुली चर्चा के दौरान कार्यक्रम का संचालन पैक्स के राज्य संयोजक राकेश झा और सीपीएसएल के सुनील चौधरी ने किया।

# PACS

**PACS – Bihar Coordination Office**
C-3, Jula Niketan, Left of Himgiri Bhavan,
Anandpuri, West Boring Canal Road, Patna,
Bihar
Pin: 800001
Phone: 6588104